

//1//
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद (अजमेर)

पीठासीन अधिकारी :- राकेश कुमार गुप्ता (आर. ए. एस.)
राजस्व प्रकरण संख्या :- 31/2021

उनवान

1. रामनिवास पुत्र मंगला
2. जगदीश पुत्र मंगला
3. मीरा पत्नी कैलाश
4. काली पुत्री कैलाश ना.बा.
5. गोरा पुत्री कैलाश ना.बा.
6. राहुल पुत्र कैलाश ना.बा. जरियें प्राकृतिक संरक्षक माता खुद मीरा पत्नी कैलाश जाति नायक,
नि. मण्डियानी, नसीराबाद

— वादीगण :- जरियें अधिवक्ता श्री सीताराम रावत

बनाम

राजस्थान सरकार जरियें तहसीलदार नसीराबाद
— प्रतिवादी :- जरियें राज० पैरोकार



वादी पत्र अन्तर्गत धारा 88, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 व धारा 136 भू राज० अधि० 1956

-: निर्णय :-

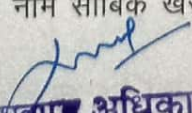
दिनांक :- 10.8.21

अधिवक्ता वादी उक्त वाद पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया कि ग्राम मण्डियानी भू अभिलेख निरीक्षक क्षेत्र कानुपरा की निम्न आराजी वादीगण की आवंटनशुदा है :-

चौसाला जमाबंदी	वर्किंग जमाबंदी	हाल जमाबंदी
208 मिन 15-0-0	235 मिन 1.15	554 1.15
	235 मिन 0.32	555 0.32
	235 मिन 0.57	552 0.57
	235 मिन 0.22	551 0.22
	235 मिन 0.19	550 / 1798 0.19
	235 मिन 0.15	549 / 1799 0.15
	235 मिन 0.14	553 / 1946 0.14
	235 मिन 0.65	552 / 2018 0.65

उक्त आराजी वादी संख्या 3 के ससुर, 1 लगायत 2 के पिता तथा वादी संख्या 4 के दादा मंगला पि० किशना नायक के नाम साबिक खसरा नम्बर 208 मिन रकबा 15-0-0




उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद (अजमेर)

दिनांक 29.07.1964 को किया गया था। आवंटन आदेश की पालना में उक्त आराजी चौसाला जमाबंदी में गैर खातेदारी अंकित की गयी। नामान्तकरण संख्या 99 दिनांक 01.09.1998 तथा नामान्तकरण संख्या 202 से खसरा नम्बर 235 मिन रकबा 3-10-0 मंगला पुत्र किशना के नाम व नामान्तकरण संख्या 219 से मंगला के वारिसान के नाम खसरा नम्बर 235 मिन रकबा 2-9-0 गैर खातेदारी अंति की गयी। वादीगण उक्त आराजी पर काबिज काश्त चले आ रहे हैं। आवंटन दिनांक से वादीगण/पूर्वज का उक्त आराजी पर कब्जा काश्त चला आ रहा है। बंदोबस्त विभाग व राजस्व अधिकारियों ने त्रुटिपूर्ण तरीके से उक्त आराजी के हाल राजस्व अभिलेख में भूमि सिवायचक दर्ज कर दी। हाल खसरा नम्बर 551 रकबा 0.22, 549/1799 रकबा 0.15, 552 रकबा 0.57 का खातेदर नियमानुसार, मंगला व उसके वारिसान को दर्ज कर दिया किन्तु हाल खसरा नम्बर 554 रकबा 1.15, 555 रकबा 0.32, 553/1946 रकबा 0.14, 552/2018 रकबा 0.65, 550/1798 रकबा 0.19 का खातेदार वादीगण को घोषित किया जावे।

वाद पत्र दर्ज रजिस्टर कर प्रतिवादी को जरिये नोटिस तलब किया गया। राज0 पैरोकार ने जवाब पेश कर निवेदन किया कि आराजी मुतनाजा हाल राजस्व अभिलेख में सिवायचक दर्ज है। साबिक खसरा नम्बर 235 मिन रकबा 15-0-0 चौसाला जमाबंदी में मंगला पुत्र किशना नायक के नाम गैर खातेदारी दर्ज होने का नोट अंकित है। उक्त इन्द्राज बिना नामान्तकरण के दर्ज किये जाने से बिन्दु खारिज फरमाया जावे। आराजी मुतनजा वर्तमान रेकार्ड में सिवायचक होने के कारण वाद खारिज किया जावे। प्रकरण में निम्न तनकियात कायम की गयी :-

1. आया आराजी मुतनाजा वादीगण के पूर्वज को विधिवत आवंटित हुयी थी ?
— वादीगण

2. आया आराजी मुतनाजा का वर्तमान इन्द्राज त्रुटिपूर्ण होने से वादीगण खातेदारी प्राप्ति के अधिकारी है ?
— वादीगण

3. आया आराजी मुतनाजा का नामान्तकरण नही होने से व आराजी मुतनाजा सिवायचक होने के कारण वाद खारिज योग्य है ?
— प्रतिवादीगण

4. अनुतोष ?

अधिवक्ता वादीगण ने वाद के समर्थन में राजस्व अभिलेख व आवंटन के दस्तावेज पेश किये तथा वादी जगदीश व गवाह ओमप्रकाश के बयान दर्ज करवाये। राज0 पैरोकार ने पटवारी हल्का के बयान करवाये।

बहस उभयपक्ष सुनी गयी। पत्रावली का अवलोकन किया। विद्वान अधिवक्ता वादीगण व राज0 पैरोकार की बहस पर मनन किया। तनकी अनुसार निर्णय निम्नवत् है :-
तनकी संख्या 1 :-

वादीगण का कथन है कि ग्राम मण्डियानी के चौसाला खसरा नम्बर 208 मिन वंकिर्ग खसरा नम्बर 235 मिन रकबा 15-0-0 का आवंटन उनके पूर्वज मंगला पुत्र किशना जाति नायक को दिनांक 29.07.1964 को किया गया। जिसके समर्थन में वादीगण ने आवंटन आदेश व पट्टा पेश किया है। उक्त दस्तावेज के अनुसार मंगला पुत्र किशना को चौसाला खसरा नम्बर 208 में से 15-0-0 भूमि का आवंटन किया गया। वादीगण द्वारा प्रस्तुत खसरा गिरदारी सम्वत् 2020 से 223, 2024 से 2027, 2028 से 2031 व 2032 से 2035, में भी खसरा नम्बर 208 में मंगला पुत्र किशना जाति नायक के नाम आवंटन का नोट अंकित है। वादी व गवाह के बयान से भी वादीगण के उक्त खसरा नम्बर पर कब्जे की पुष्टि होती है। उक्तानुसार वादीगण द्वारा

उपस्थित अधिकारी
नसीराबाद (अजमेर)


प्रस्तुत साक्ष्य व दस्तावेज से स्पष्ट है कि आराजी मुतनाजा का विधिवत आवंटन मंगला पुत्र किशना को हुआ है। वादीगण के पूर्वज को उक्त आराजी के आवंटन को सक्षम न्यायालय में विधि का सुस्थापित सिद्धान्त है कि भूमि का आवंटन होने के बाद जब तक किसी न्यायालय द्वारा उक्त आवंटन को निरस्त नहीं किया जाता तब तक आवंटन वैध होता है चाहे उक्त आवंटन की राजस्व अभिलेख में पालना की गयी हो अथवा नहीं। तनकी बहक वादीगण विरुद्ध प्रतिवादी निर्णित की जाती है।

तनकी संख्या 2 व 3 :- तनकी संख्या 1 के विवेचन अनुसार चौसाला खसरा नम्बर 208 वंकिंग खसरा नम्बर 235 में से 15-0-0 भूमि का आवंटन वादीगण के पूर्वज को विधिवत किया गया। उक्त आवंटन के अतिरिक्त वंकिंग खसरा नम्बर 235 मिन रकबा 2-9-0 नामान्तकरण संख्या 219 दिनांक 30.5.85 द्वारा मंगला के वारिसों के नाम गैर खातेदारी व नामान्तकरण संख्या 99 द्वारा खातेदारी अंकित हुआ। नामान्तकरण संख्या 202 द्वारा चौसाला खसरा नम्बर 208 वंकिंग खसरा नम्बर 235 रकबा 3-10-0 छोटी पट्टी के तहत मंगला पुत्र किशना के नाम खातेदारी दर्ज किया गया। उक्त दोनो नामान्तकरण में दर्ज वंकिंग खसरा नम्बर 235 के रकबे 2-9-0 व 3-10-0 के हाल खसरा नम्बर 552 रकबा 0.57, 551 रकबा 0.22 व 549/1799 रकबा 0.15 वादीगण के नाम हाल राजस्व अभिलेख में खातेदारी दर्ज है। किन्तु चौसाला खसरा नम्बर 208 वंकिंग खसरा नम्बर 235 रकबा 15-0-0 के हाल खसरा नम्बर 554 रकबा 1.15, 555 रकबा 0.32, 553/1946 रकबा 0.14, 552/2018 रकबा 0.65, 550/1798 रकबा 0.19 को सिवायचक दर्ज कर दिया। वादीगण के पूर्वज को उक्त आराजी का विधिवत आवंटन हुआ था जो वादीगण द्वारा प्रस्तुत समस्त दस्तावेज व साक्ष्य से सिद्ध होता है। खसरा गिरदावरी व मौखिक साक्ष्य से वादीगण का उक्त आराजी पर कब्जा भी प्रमाणित है। राज0 पैरोकार ने प्रकरण में यह स्पष्ट नहीं किया है कि आराजी मुतनाजा हाल राजस्व अभिलेख में किस कारण से वादीगण/पूर्वज की खातेदारी में दर्ज नहीं की गयी। वादग्रस्त आराजी हाल राजस्व अभिलेख में सिवायचक दर्ज होने के कारण वादीगण का वाद पत्र खारिज नहीं किया जा सकता है जबकि उसके द्वारा उक्त आराजी के आवंटन व कब्जे के समस्त वांछित दस्तावेज न्यायालय में पेश किये हैं। पत्रावली में ऐसा कोई आदेश उपलब्ध नहीं है जिसके आधार पर बंदोबस्त विभाग ने उक्त आराजी वादीगण की खातेदारी में से हटायी है। वादीगण के पूर्वज को उक्त आराजी के आवंटन को सक्षम न्यायालय में चुनौती देने अथवा आवंटन निरस्त बाबत कोई दस्तावेज राज0 पैरोकार ने प्रस्तुत नहीं किया है। विधि का सुस्थापित सिद्धान्त है कि भूमि का आवंटन होने के बाद जब तक किसी न्यायालय द्वारा उक्त आवंटन को निरस्त नहीं किया जाता तब तक आवंटन वैध होता है चाहे उक्त आवंटन की राजस्व अभिलेख में पालना की गयी हो अथवा नहीं। बंदोबस्त विभाग को पूर्व इन्द्राज बिना किसी आदेश अथवा नामान्तकरण के परिवर्तित करने का कोई विधिक अधिकार नहीं है। वादग्रस्त आराजी का वर्तमान इन्द्राज त्रुटिपूर्ण सिद्ध होता है। वादीगण इन्द्राज दुरुस्ती प्राप्त करने कक अधिकारी है। तनकी बहक वादी विरुद्ध प्रतिवादी निर्णित की जाती है।

उक्तानुसार ग्राम मण्डियानी के हाल खसरा नम्बर 554 रकबा 1.15, 555 रकबा 0.32, 553/1946 रकबा 0.14, 552/2018 रकबा 0.65, 550/1798 रकबा 0.19 पर वादीगण का वाद "स्वीकार" किया जाता है। वादीगण को उक्त आराजी का खातेदार घोषित किया जाता है। तहसीलदार नसीराबाद उक्तानुसार राजस्व अभिलेख में अमल दरामद की कार्यवाही करावे। पक्षकार खर्चा स्वयं वहन करे। इस आशय की पर्चा डिकी जारी हो।

निर्णय सरे इजलास सुनाया गया।




उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद

डिक्री व मुकदमें इत्वाई
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद

उनवान

रामनिवास बनाम राज0 सरकार

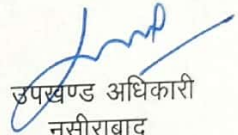
दावा बाबत :- 88, 188 राज. का. अधि0 1955, 136 भू राज0 अधि0 1956

राजस्व मुकदमा नम्बर - 31/2021

पेश करने की दिनांक - 02.03.21

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिनाल कतई रूबरू श्री राकेश कुमार गुप्ता (आर. ए. एस)-व हाजिर सीताराम रावत अभिभाषक मुद्दई राज0 पैरोकार अभिभाषक मिनजामिन मुदायला पेश हो कर दिया जाता है व डिक्री दी जाती है कि :-

ग्राम मण्डियानी के हाल खसरा नम्बर 554 रकबा 1.15, 555 रकबा 0.32, 553/1946 रकबा 0.14, 552/2018 रकबा 0.65, 550/1798 रकबा 0.19 पर वादीगण का वाद "स्वीकार" किया जाता है। वादीगण को उक्त आराजी का खातेदार घोषित किया जाता है। तहसीलदार नसीराबाद उक्तानुसार राजस्व अभिलेख में अमल दरामद की कार्यवाही करावे। पक्षकार खर्चा स्वयं वहन करे।

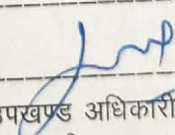

उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद



खर्चा इस मुकदमें में मय सूद व शरह तक को सालाना आज की तारीख से यानि वसूली तक की अदा करे।

बअखत दस्तखत व मोहर अदालत के आज 10 माह 08 सन् 2021 को जारी की गयी।

मुद्दई	मुदायला
स्टाम्प अरजी दावा स्टाम्प वकालतनामा स्टाम्प वजह सबूत मेहनताना वकील फीस कमिश्नर खर्चा गवाहान बाबत् इजराय हुक्मनामा मुतफरिक	स्टाम्प वकालतनामा स्टाम्प अरजी मेहनताना वकील खर्चा गवाहान फीस कमिश्नर बाबत् इजराय हुक्मनामा मुतफरिक
मिजान	मिजान


उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद